नं. 1

संजीव® बुक्स

राजनीति विज्ञान-XII

(1) समकालीन विश्व राजनीति (भाग-1) एवं

(2) स्वतन्त्र भारत में राजनीति (भाग-2)

(कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार)

- माध्य. शिक्षा बोर्ड, 2025 के प्रश्न-पत्र का समावेश
- पाठ्यपुस्तक के सभी अभ्यास प्रश्नों का हल
- शिक्षा विभाग, राजस्थान द्वारा जारी प्रश्न बैंक के प्रश्नों का हल सहित समावेश
- सभी प्रकार के अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नों का समावेश
- योग्य एवं अनुभवी लेखकों द्वारा लिखित
- प्रथम श्रेणी प्राप्त करने के लिए पूर्ण सामग्री

2026

संजीव प्रकाशन,
जयपुर

मूल्य : ₹ 360/-

- प्रकाशक :

  संजीव प्रकाशन

  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता,

  जयपुर-3

  email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
  website : www.sanjivprakashan.com

- © प्रकाशकाधीन

- **मूल्य : ₹ 360.00**

- लेजर कम्पोजिंग :

  प्रदीप कम्प्यूटर, जयपुर

  संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department), जयपुर

- मुद्रक :

  मनोहर आर्ट प्रिन्टर्स, जयपुर

  ******

❖ इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं—

email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com

पता : प्रकाशन विभाग संजीव प्रकाशन

धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर

आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।

❖ इस पुस्तक में प्रकाशित किसी त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं।

❖ सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

विषय-सूची

समकालीन विश्व राजनीति (भाग-1)

1.	दो ध्रुवीयता का अन्त	1-26
2.	सत्ता के समकालीन केन्द्र	27-52
3.	समकालीन दक्षिण एशिया	53-80
4.	अन्तर्राष्ट्रीय संगठन	81-108
5.	समकालीन विश्व में सुरक्षा	109-135
6.	पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन	136-163
7.	वैश्वीकरण	164-188

स्वतन्त्र भारत में राजनीति (भाग-2)

1.	राष्ट्र निर्माण की चुनौतियाँ	189-211
2.	एक दल के प्रभुत्व का दौर	212-234
3.	नियोजित विकास की राजनीति	235-248
4.	भारत के विदेश सम्बन्ध	249-274
5.	कांग्रेस प्रणाली : चुनौतियाँ और पुनर्स्थापना	275-299
6.	लोकतान्त्रिक व्यवस्था का संकट	300-321
7.	क्षेत्रीय आकांक्षाएँ	322-348
8.	भारतीय राजनीति : नए बदलाव	349-373
मानचित्र सम्बन्धी प्रश्न		**374-392**

❑❑❑

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2025

राजनीति विज्ञान

(Political Science)

समय : 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 80**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें।
2. **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न-पत्र के हिन्दी व अंग्रेजी रूपान्तरण में किसी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही मानें।
6. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
7. प्रश्न क्रमांक 14 से 20 में आन्तरिक विकल्प हैं।

खण्ड-अ (Section-A)

बहुविकल्पीय प्रश्न (i से xviii) (Multiple Choice Questions) (i to xviii) :

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चयन कर उत्तर पुस्तिका में लिखिए :**
Choose the correct option to Answer the following questions and write in the Answer-Book :

(i) शीत युद्ध के दौर में सबसे बड़े प्रतीक के रूप में निम्न में से किसे जाना जाता था? [1]
Which of the following was known as the biggest symbol during the cold war?
(अ) चीन की दीवार (ब) भारत के पठार (स) बर्लिन की दीवार (द) रूस के पहाड़

(ii) 'यूरोप के एकीकृत बाजार' का गठन कब हुआ? [1]
When was the 'Single Market of Europe' formed?
(अ) फरवरी 1992 (ब) जनवरी 1993 (स) मार्च 1994 (द) जनवरी 1995

(iii) 'दक्षिण एशिया मुक्त व्यापार संगठन' (SAFTA) कब प्रभावी हुआ? [1]
When did 'South Asian Free Trade Association' (SAFTA) come into effect?
(अ) 2006 (ब) 2007 (स) 2008 (द) 2009

(iv) 1950 के दशक में निम्न में से कौनसा देश फ्रान्स का उपनिवेश था? [1]
Which of the following countries was a colony of France in the 1950?
(अ) क्यूबा (ब) वियतनाम (स) केन्या (द) अर्जेन्टीना

(v) वैश्वीकरण है— [1]
Globalization is—
(अ) वस्तु प्रवाह (ब) विचार प्रवाह (स) पूंजी प्रवाह (द) उपर्युक्त सभी

(vi) वैश्वीकरण में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण भूमिका किसकी रही है? [1]
Who has played the most important role in globalization?
(अ) संचार व प्रौद्योगिकी (ब) राजनीतिक दल (स) सामाजिक संगठन (द) धार्मिक संगठन

(vii) आन्ध्रप्रदेश राज्य कब अस्तित्व में आया? [1]
When did the state of Andhra Pradesh come into existence?
(अ) 1950 (ब) 1952 (स) 1954 (द) 1956

(viii) निम्न में से प्रथम पंचवर्षीय योजना में जुटे अर्थशास्त्री विशेषज्ञ कौन थे? [1]
Who among the following were the economic experts involved in the first five year plan?
(अ) जे.सी. कुमारप्पा (ब) चरण सिंह (स) वर्गीज कूरियन (द) के.एन.राज

(ix) द्वितीय पंचवर्षीय योजना कब प्रारम्भ हुई? [1]
When did the second five year plan started?
(अ) 1956 (ब) 1955 (स) 1957 (द) 1952

(x) निम्न में से वारसा पैक्ट का समर्थक देश था— [1]
Which of the following was a supporter of Warsaw Pact?
(अ) ब्रिटेन (ब) सोवियत संघ (स) पाकिस्तान (द) फ्रांस

(xi) निम्न में से भारत के प्रथम विदेश मंत्री कौन थे? [1]
Who among the following was the first foreign minister of India?
(अ) सुभाष चन्द्र बोस (ब) दीनदयाल उपाध्याय (स) जवाहर लाल नेहरू (द) बी.आर. अम्बेडकर

(xii) भारत के राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने आपातकाल की घोषणा कब की? [1]
When did the President of India Fakhruddin Ali Ahmed declare emergency?
(अ) 22 जून, 1974 (ब) 26 जून, 1973 (स) 21 जून, 1972 (द) 25 जून, 1975

(xiii) भारत में सम्पूर्ण क्रांति के प्रतिपादक कौन थे? [1]
Who was the proponent of Revolution in India?
(अ) जयप्रकाश नारायण (ब) श्यामा प्रसाद मुखर्जी (स) महात्मा गाँधी (द) जॉर्ज फर्नांडीस

(xiv) भारत में चौथा आम चुनाव कब हुआ? [1]
When was the fourth general election held in India?
(अ) 1965 (ब) 1966 (स) 1967 (द) 1968

(xv) नागालैण्ड कब पूर्ण राज्य बना? [1]
When did Nagaland become a full state?
(अ) 1961 (ब) 1962 (स) 1963 (द) 1964

(xvi) 1979 से 1985 के मध्य असम में किस देश के घुसपैठियों के विरुद्ध आन्दोलन चले? [1]
Between 1979 to 1985 movements were take place in Assam against infiltra of which country?
(अ) बांग्लादेश (ब) पाकिस्तान (स) श्रीलंका (द) नेपाल

(xvii) 1989 में बनी राष्ट्रीय मोर्चा सरकार का नेतृत्व किस प्रधानमंत्री ने किया? [1]
Which Prime Minister led the National Front Government formed 1989?
(अ) एच.डी. देवगौड़ा (ब) वी.पी. सिंह
(स) इन्द्र कुमार गुजराल (द) अटल बिहारी वाजपेयी

(xviii) बामसैफ का गठन कब हुआ? [1]
When was BAMCEF formed?
(अ) 1975 (ब) 1976 (स) 1977 (द) 1978

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए (i से vi) (Fill in the blanks) (i to vi) :

(i) 'समाजवादी सोवियत गणराज्य' 1917 की .... के बाद अस्तित्व में आया। [1]
(ii) 1960 में विश्व बैंक की मदद से भारत और पाकिस्तान ने .... संधि पर हस्ताक्षर किये। [1]
(iii) 1941 में 'अटलान्टिक चार्टर' पर रूजवेल्ट तथा .... ने हस्ताक्षर किये। [1]
(iv) नव उदारवादी वैश्वीकरण के विरोध में एक विश्वव्यापी मंच .... है। [1]
(v) योजना आयोग की स्थापना सन् .... में हुई। [1]
(vi) .... वें संविधान संशोधन द्वारा लोकसभा का कार्यकाल 5 से 6 वर्ष किया गया था। [1]

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न : (i से xii)
(निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक पंक्ति में दीजिए)
Very Short Answer Type Questions : (i to xii)
(Answer the following questions in one word or one line)

(i) आसियान की स्थापना कब एवं किस घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करके हुई? [1]
When was ASEAN established and by signing which declaration?

(ii) यूरोपीय संघ की विदेश एवं रक्षा मामलों में क्षमता सीमित क्यों है? कोई एक कारण बताइये। [1]
Why is the EU's capacity limited in foreign and defence matters? Give one reason.

(iii) ऐसे एक देश का नाम लिखिए जहाँ भारत के नागरिक बिना पासपोर्ट (पारपत्र) और वीजा के आ-जा सकते है। [1]
Name one country where Indian citizens can travel without passport and visa.

(iv) दक्षेस का पूरा नाम लिखिए। [1]
Write the full name of SAARC.

(v) संयुक्त राष्ट्र संघ दिवस कब मनाया जाता है? [1]
When is United Nations Day celebrated?

(vi) E.V.M. का पूरा नाम लिखिए। [1]
Write the full name of E.V.M.

(vii) प्रथम आम चुनाव निर्वाचन आयोग के लिए चुनौतीपूर्ण था, क्यों? कोई दो कारण बताइये। [1]
The first general election was challenging for the election commission why? Give any two reasons.

(viii) आजादी के वक्त भारत के सामने विकास के कौनसे दो प्रमुख मॉडल थे? लिखिए। [1]
Write about the two main models of development that were before India at the time independence.

(ix) भारत ने पंचवर्षीय योजना का विकल्प कहाँ से लिया? [1]
Where did India get option of five year planning from?

(x) जम्मू कश्मीर को किस अनुच्छेद के तहत विशेष दर्जा प्राप्त था? [1]
Under which Article did Jammu and Kashmir had special status?

(xi) कांशीराम के दल 'बहुजन समाज पार्टी' में 'बहुजन' से क्या अभिप्राय है? [1]
What is meant by 'Bahujan' in Kashiram's Party Bahujan Samaj Party?

(xii) अन्य पिछड़ा वर्ग को आरक्षण हेतु किस आयोग ने सिफारिश की थी? [1]
Which commission recommended reservation for other backward clas?

खण्ड-ब (Section-B)

लघूत्तरात्मक प्रश्न–(उत्तर सीमा लगभग 50 शब्द)
Short Answer Type Questions – (Answer limit about 50 words)

4. "सोवियत संघ एवं भारत के सम्बन्ध सदैव मधुर रहे हैं।" उपरोक्त कथन के पक्ष में कोई दो उदाहरण दीजिए। [2]
"Relations between the Soviet Union and India have always cordial." Give any two examples in support of the above statement.

5. सोवियत संघ के विघटन के कोई दो परिणाम लिखिये। [2]
Write any two consequences of the disintegration of the Soviet Union.

6. भारत मालदीव सम्बन्धों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। [2]
Write a short note on India-Maldives relations.

7. "अंटार्कटिका पर स्वामित्व का मसला विवादास्पद है।" इस कथन को संक्षेप में समझाइये। [2]
"The issue of ownership of Antarctica is controversial." Explain this statement briefly.

8. जनसंघ ने किस विचारधारा पर जोर दिया लिखिए? [2]
Write which ideology did Jana Sangh emphasize on?

9. भारत की राजनीति में 'आया राम-गया राम' पर टिप्पणी कीजिए। [2]
Comment on 'Aaya Ram-Gaya Ram' in Indian politics.

10. प्रिवी पर्स से क्या अभिप्राय है? संक्षेप में विवेचना कीजिए। [2]
Discuss briefly what is meant by Privy purse?

11. 1974 में गुजरात के छात्रों ने आन्दोलन क्यों किया? संक्षेप में लिखिए। [2]
Why did the students of Gujrat protest in 1974? Write in brief.

12. 1985 में राजीव-लोंगोवाल समझौते के कोई दो बिन्दु संक्षेप में लिखिए। [2]
Write in brief any two points of Rajiv-Longowal Agreement of 1985.

13. 1989 के बाद लगातार गठबन्धन की राजनीति क्यों प्रभावी रही? संक्षेप में स्पष्ट कीजिए। [2]
Explain in brief why coalition politics continued to be effective after 1989?

खण्ड-स (Section-C)

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न– (उत्तर सीमा लगभग 100 शब्द)

Long Answer Type Questions – (Answer limit about 100 words)

14. आसियान की संक्षिप्त उपलब्धियाँ बताते हुए इसकी प्रासंगिकता पर विचार प्रकट कीजिए। [3]
Give a brief account of ASEAN achievements and express your opinion on its relevance.

अथवा/OR

चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के क्या प्रयास किये? विवेचना कीजिए।
What efforts did China make strengthen its economy? Discuss.

15. वैश्विक स्तर पर पर्यावरण की चिन्ता करना क्यों आवश्यक है? कारणों को स्पष्ट करते हुए विवेचना कीजिए। [3]
Why is it necessary to worry about the environment at global level? Discuss explaining the reasons.

अथवा/OR

'क्योटो प्रोटोकॉल' के अन्तर्गत आने वाले मुख्य मुद्दों की विवेचना कीजिए।
Discuss the main issue covered under the 'Kyoto Protocol'.

16. वैश्वीकरण के कोई तीन आर्थिक प्रभाव लिखिए। [3]
Write any three economic effects of globalisation.

अथवा/OR

वैश्वीकरण के सांस्कृतिक प्रभावों को स्पष्ट कीजिए।
Explain the cultural impacts of globalisation.

17. भारत चीन सम्बन्ध पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। [3]
Write a short note on India-China relations.

अथवा/OR

भारत की परमाणु नीति पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
Write a short note on India's nuclear policy.

खण्ड-द (Section-D)

निबन्धात्मक प्रश्न–(उत्तर सीमा लगभग 250 शब्द) :

Essay Type Questions – (Answer limit about 250 words)

18. "मानवाधिकार की आवश्यकता वर्तमान समय में प्रासंगिक और महत्त्वपूर्ण है।" उपरोक्त कथन की विस्तृत विवेचना कीजिए। [4]
"The need of human rights is relevant and important in the present time." Discuss the above statement in detail.

अथवा/OR

सुरक्षा का अर्थ स्पष्ट करते हुए सुरक्षा की पारंपरिक एवं अपारंपरिक अवधारणा की विवेचना कीजिए।
Explain the meaning of Security and discuss the traditional and nontraditional concepts of security.

19. स्वतंत्रता के पश्चात् भारत के समक्ष कौन-कौनसी प्रमुख चुनौतियाँ थी? विवेचना कीजिए। [4]
Discuss what were the major challenges faced by India after in independence.

अथवा/OR

भारत विभाजन के परिणामों की विस्तृत विवेचना कीजिए।
Discuss in detail the consequences of partition of India.

20. विश्व के राजनैतिक मानचित्र में निम्न देशों को अंकित कीजिए— [4]
Make the following countries on the political map of world.
(i) भारत (India) (ii) जापान (Japan) (iii) फ्रांस (France) (iv) म्यांमार (Myanmar)

अथवा/OR

विश्व के राजनैतिक मानचित्र में निम्न देशों को अंकित कीजिए—
Make the following countries on the political map of world.
(i) चीन (China) (ii) ऑस्ट्रेलिया (Australia) (iii) नार्वे (Norway) (iv) जर्मनी (Germany)

राजनीति विज्ञान–XII

समकालीन विश्व राजनीति (भाग 1)

1. दो ध्रुवीयता का अन्त

पाठ-सार

सोवियत प्रणाली–(1) समाजवादी सोवियत गणराज्य (यू.एस.एस.आर.) रूस में हुई 1917 की समाजवादी क्रान्ति के बाद अस्तित्व में आया।

(2) सोवियत राजनीतिक प्रणाली की धुरी कम्युनिस्ट पार्टी थी।

(3) सोवियत अर्थव्यवस्था योजनाबद्ध और राज्य के नियन्त्रण में थी।

(4) दूसरे विश्व युद्ध के बाद पूर्वी यूरोप के देश सोवियत संघ के अंकुश में आ गए। इन सभी देशों की राजनीतिक-सामाजिक व्यवस्था को सोवियत संघ की समाजवादी प्रणाली की तर्ज पर ढाला गया। इन्हें ही समाजवादी खेमे के देश या दूसरी दुनिया कहा गया। इनका नेता समाजवादी सोवियत गणराज्य था। इस प्रकार द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सोवियत संघ महाशक्ति के रूप में उभरा।

(5) अमरीका को छोड़कर शेष विश्व की तुलना में सोवियत संघ की अर्थव्यवस्था कहीं ज्यादा विकसित थी।

(6) लेकिन, सोवियत प्रणाली पर नौकरशाही का शिकंजा कसता चला गया। यह प्रणाली सत्तावादी होती गयी और नागरिकों का जीवन कठिन होता चला गया। सोवियत संघ में कम्युनिस्ट पार्टी का शासन था जिसका सभी संस्थाओं पर गहरा अंकुश था तथा यह दल जनता के प्रति उत्तरदायी नहीं था। सोवियत संघ के 15 गणराज्यों में रूसी गणराज्य का हर मामले में वर्चस्व था। अन्य क्षेत्रों की जनता अक्सर अपने आपको उपेक्षित और दमित महसूस करती थी।

(7) हथियारों की होड़ में सोवियत संघ ने समय-समय पर अमरीका को बराबर की टक्कर दी, लेकिन उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ी। वह प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढाँचे के मामले में पश्चिमी देशों की तुलना में पीछे रह गया। यह अपने नागरिकों की राजनीतिक और आर्थिक आकांक्षाओं को पूरा नहीं कर सका। 1979 में अफगानिस्तान में हस्तक्षेप से उसकी अर्थव्यवस्था और कमजोर हुई। यहाँ उपभोक्ता वस्तु की कमी हो गयी तथा 1970 के दशक के अन्तिम वर्षों में यह व्यवस्था लड़खड़ाने लगी और अंततः ठहर सी गई।

गोर्बाचेव और सोवियत संघ का विघटन–1980 के दशक के मध्य में गोर्बाचेव सोवियत संघ की कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव बने। उसने पश्चिम के देशों के साथ सम्बन्धों को सामान्य बनाने, सोवियत संघ को लोकतान्त्रिक रूप देने और वहाँ सुधार करने का फैसला किया। इस फैसले की अकल्पनीय परिणतियाँ हुईं—

(1) पूर्वी यूरोप की साम्यवादी सरकारें जनता के दबाव में एक के बाद एक गिर गईं। वहाँ लोकतान्त्रिक व्यवस्था की स्थापना हुई।

(2) गोर्बाचेव ने देश के अन्दर आर्थिक-राजनीतिक सुधारों और लोकतन्त्रीकरण की नीति चलायी। इन सुधार नीतियों का साम्यवादी दल के नेताओं द्वारा विरोध किया गया। 1991 में एक तख्तापलट भी हुआ। येल्तसिन ने इस तख्तापलट के विरोध में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायी और वे नायक की तरह उभरे। परिणामतः 1991 के दिसम्बर में येल्तसिन के नेतृत्व में सोवियत संघ के तीन बड़े गणराज्यों—रूस, यूक्रेन और बेलारूस—ने सोवियत संघ की समाप्ति की घोषणा की। इन्होंने पूँजीवाद और लोकतन्त्र को अपना आधार बनाया। इन्होंने स्वतन्त्र राज्यों के राष्ट्रकुल का गठन किया। साम्यवादी सोवियत गणराज्य के बाकी गणराज्यों, खासकर मध्य एशियायी गणराज्यों के लिए यह बहुत आश्चर्यचकित करने वाला था। ये गणराज्य स्वतंत्र राज्यों के राष्ट्रकुल से अभी बाहर थे। इन्हें राष्ट्रकुल का संस्थापक सदस्य बनाया गया।

(3) रूस को सुरक्षा परिषद् में सोवियत संघ की सीट मिली। सोवियत संघ के अन्तर्राष्ट्रीय करार और सन्धियों को निभाने की जिम्मेदारी रूस को सौंपी गयी। सोवियत संघ के विघटन के बाद रूस को परमाणु सम्पन्न देश का दर्जा मिला।

सोवियत संघ के विघटन का घटना-चक्र–

मार्च, 1985 – मिखाइल गोर्बाचेव सोवियत संघ की कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव चुने गए। बोरिस येल्तसिन को रूस की कम्युनिस्ट पार्टी का प्रमुख बनाया। सोवियत संघ में सुधारों की श्रृंखला शुरू हुई।

1988 – लिथुआनिया में आजादी के लिए आंदोलन शुरू। एस्टोनिया और लातविया में भी फैला।

अक्टूबर, 1989 – सोवियत संघ ने घोषणा की कि 'वारसा समझौते' के सदस्य अपना भविष्य तय करने के लिए स्वतंत्र हैं। नवम्बर में बर्लिन की दीवार गिरी।

फरवरी, 1990 – गोर्बाचेव ने सोवियत संसद ड्यूमा के चुनाव के लिए बहुदलीय राजनीति की शुरुआत की। सोवियत सत्ता पर कम्युनिस्ट पार्टी का 72 वर्ष पुराना एकाधिकार समाप्त।

जून, 1990 – रूसी संसद ने सोवियत संघ से अपनी स्वतंत्रता घोषित की।

मार्च, 1990 – लिथुआनिया स्वतंत्रता की घोषणा करने वाला पहला सोवियत गणराज्य बना।

जून, 1991 – येल्तसिन का कम्युनिस्ट पार्टी से इस्तीफा। रूस के राष्ट्रपति बने।

अगस्त, 1991 – कम्युनिस्ट पार्टी के गरमपंथियों ने गोर्बाचेव के खिलाफ एक असफल तख्तापलट किया।

सितम्बर, 1991 – एस्टोनिया, लातविया और लिथुआनिया तीनों बाल्टिक गणराज्य संयुक्त राष्ट्रसंघ के सदस्य बने। (मार्च 2004 में उत्तर अटलांटिक संधि संगठन में शामिल)

दिसम्बर, 1991 – रूस, बेलारूस और यूक्रेन ने 1922 की सोवियत संघ के निर्माण से संबद्ध संधि को समाप्त करके स्वतंत्र राष्ट्रों का राष्ट्रकुल बनाया। आर्मेनिया, अजरबैजान, माल्दोवा, कजाकिस्तान, किर्गिजिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान भी राष्ट्रकुल का हिस्सा बने। 1993 में जार्जिया राष्ट्रकुल का सदस्य बना। संयुक्त राष्ट्रसंघ में सोवियत संघ की सीट रूस को मिली।

25 दिसंबर, 1991 – गोर्बाचेव ने सोवियत संघ के राष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दिया तथा सोवियत संघ का अंत हुआ।

सोवियत संघ का विघटन क्यों हुआ?

(1) सोवियत संघ की राजनीतिक-आर्थिक संस्थाएं अन्दरूनी कमजोरी के कारण लोगों की आकांक्षाएँ पूरा नहीं कर सकीं। यही सोवियत संघ के पतन का प्रमुख कारण रहा।

(2) परमाणु हथियार, सैन्य साजो-सामान तथा पूर्वी यूरोप के पिछलग्गू देशों के विकास पर हुए खर्चों से सोवियत संघ पर गहरा आर्थिक दबाव बना, सोवियत व्यवस्था इसका सामना नहीं कर सकी।

(3) पश्चिमी देशों की तरक्की के बारे में सोवियत संघ की जनता को जब यह जानकारी मिली कि सोवियत संघ पश्चिमी देशों से काफी पिछड़ चुका है तो इससे जनता को राजनीतिक-मनोवैज्ञानिक रूप से धक्का लगा।

(4) गतिरुद्ध प्रशासन, भारी भ्रष्टाचार, पार्टी का जनता के प्रति जवाबदेह न होना, शासन में ज्यादा खुलापन लाने के प्रति अनिच्छा तथा सत्ता का केन्द्रीकृत होना, इन सारी बातों के कारण जनता शासन से अलग-थलग पड़ चुकी थी। सरकार का जनाधार खिसकता चला गया।

(5) गोर्बाचेव ने जब सुधारों को लागू किया और व्यवस्था में ढील दी तो आकांक्षाओं-अपेक्षाओं का जनता का जो ज्वार उमड़ा, शासन उसका सामना नहीं कर सका। जहाँ आम जनता और तीव्र सुधार चाहती थी, वहाँ सत्ताधारी वर्ग इस बात से असन्तुष्ट था कि गोर्बाचेव सुधारों में बहुत जल्दबाजी दिखा रहे हैं। फलत: गोर्बाचेव का समर्थन हर तरफ से जाता रहा।

(6) रूस, बाल्टिक गणराज्यों, यूक्रेन तथा जार्जिया में राष्ट्रवादी भावनाओं और सम्प्रभुता की इच्छा का उभार सोवियत संघ के विघटन का अंतिम और सर्वाधिक तात्कालिक कारण सिद्ध हुआ।

विघटन की परिणतियाँ–सोवियत संघ के विघटन से प्रमुख परिणाम ये निकले—(1) शीत युद्ध के दौर के संघर्ष की समाप्ति हुई और इसके परिणामस्वरूप हथियारों की होड़ भी समाप्त हो गई। (2) अमेरिका विश्व में अकेली